

**SHRI N. SREEKANTAN NAIR:**

In view of the fact that it will take 4-5 years to produce cashew nuts inside the country and in view of the fact that China took about 70,000 tonnes of cashew nuts from Tanzania, will the Government try to improve the relations and put some more pressure on the Tanzanian Government and get more raw nuts during next 3-4 years?

**SHRI MOHAN DHARIA:** Recently, only 15 days back, I was in those countries and I have taken up the matter with the Prime Ministers and the concerned Ministers of those countries and I have been trying to persuade them. That is the reason we may get perhaps 10,000 or 15,000 tonnes more this year. But it is not a permanent solution. The permanent solution lies in having our own production in our own country and the Government would like to give all possible incentives. In the case of Kerala Government, with a view to solve the present problem we have made Rs. 4.5 crores available to them so that they can come out of this crisis.

**श्री हुकूम चन्द कछबाय :** माननीय मंत्री जी ने यह बात कही है कि काजू के उत्पादन को अधिक बढ़ावा दे रहे हैं। आप यह न मानें कि केरल ही काजू पैदा करता है। देश के और भागों में भी काजू पैदा होता है। काजू का पीछा तैयार होने में 8, 10 साल लग जाते हैं। तो आप जो राहत देने जा रहे हैं, वह किस किस प्रकार की है। देश में जो वनवासी क्षेत्र घोषित किये गये हैं और उन में जो वनवासी रहते हैं, उनको अधिक प्रोत्साहन दे कर वहां पर काजू पैदा किए जाएं। मैं जानना चाहता हूं कि उन क्षेत्रों में अधिक मात्रा में कच्चा काजू पैदा करने की कोई योजना आप के पास है और भविष्य में कितना आप को काजू पैदा करना है, उस का कोई हिसाब आप ने लगाया है और उस के लिए कोई योजना आप की है और किस प्रकार से आप मदद देने जा रहे हैं।

**MR. SPEAKER:** Including Madhya Pradesh.

**श्री मोहन धारिया :** मैं माननीय सदस्य के साथ सहमत हूं कि यह केवल एक ही स्टेट में पैदा नहीं हो सकता। पूरे मुक्त में कहाँ पैदा हो सकता है, मैं नोस्टेट्स के मिनिस्टर्स को लिखा है। जिन्होंने रैस्पॉन्स दिया है, उनके नाम मैं ने बताए हैं और उस आधार पर 40, 45 हजार टन काजू ज्यादा पैदा हो सकता है। हमें जरूरत तो होती लगभग 2 लाख टन काजू की और इस हिसाब से देश में इसको पैदा करने के लिए काम किया जाए

और जहाँ प्राविबासी क्षेत्र हैं, वहाँ भी यह हो सकता है और जो सुविधाएं दी हैं वे सब हम देने के लिए तैयार हैं। इतना ही नहीं जैसा कि मैं ने बताया कि इस सारी स्कीम को हम रिवाइज करना चाहते हैं और दूसरी और सुविधाएं देना चाहते हैं। जो सुविधाएं हम देंगे, वे मध्य प्रदेश को भी दी जाएंगी।

#### Designing defects detected in Boeing-737 Plane

**\*72. SHRI RAJENDRA KUMAR SHARMA:** Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some designing defects have been discovered in the Boeing-737 plane;

(b) whether these defects have been brought to Government's notice;

(c) whether in view of two earlier accidents of Boeing-737, a scheme has been drawn to make some changes therein; and

(d) if so, which other Boeing planes are to replace the Boeing-737 being operated for internal flights in the country and the time by which this replacement will take place and if not, the reasons therefor?

**THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK):** (a) and (b). No, Sir. No designing defect in Boeing 737 aircraft have been discovered so far in India. Recently Indian Airlines' Pilot, reported to Indian Airlines about non-extension of the leading edge devices on Boeing 737 aircraft, but during investigation the reported defect could not be established.

(c) The recommendations arising out of the earlier accordings to Boeing 737 aircraft have been given effect to, but it is reiterated that no design defect was reported in the investigation reports.

(d) Does not arise.

**श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा :** मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि उन्होंने इस बात को स्वीकार किया है कि न उसमें डिजाइनिंग डिफेक्ट है, न उसमें खूबन एरर है,

ऐसी स्थिति में जो बोइंग क्रेजिज हो रहे हैं और अभी पिछले दिनों हैदराबाद में जो केश हुआ, जिसमें मुख्य-मंत्री और डी० आई० जी० भी बैठे थे, अगर वह हुआ जहाज नष्ट हो जाता तो न जाने वे सब लोग कहाँ जाते, ईश्वर ने ही उनकी रक्षा की, क्या सरकार इस बात की जांच करेगी कि इन क्रेजिज के क्या कारण हैं? क्या यह सही है कि हाल ही में विमान बालकों की इंडियन एयरलाइंस एसोसियेशन ने नान-एक्सपर्ट्सन आफ द लीडिंग एज डिवाइसिज के बारे में इंडियन एयरलाइंस को रिपोर्ट की थी जिसके बारे में आप कहते हैं कि जांच के द्वारा यह दोष साबित नहीं हो सका है? जब पाइलट यह स्वीकार करते हैं कि उसमें दोष है तो फिर हमारे एक्सपर्ट्स इस बात को क्यों नहीं स्वीकार करते? अभी पिछले महीने एक विमान के टेक ऑफ करने से पहले दो बार विस्फोट खुल गयीं, अगर वे टेक ऑफ के बाद खुलती तो विमान में इम्बेलेस हो जाने से विमान गिर सकता था। क्या इस प्रकार की रिपोर्ट माननीय मंत्री जी के पास आयी है?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : जो पाइलटों की, एसोसियेशन की तरफ से शंका है कि देश भर भर मम डिजाइनिंग डिफेक्ट्स, तो हम के बारे में जांच की गई है और जैसा कि मैंने उत्तर में भी कहा है कि यह भाषा का निराधार है। 1973 में जो दुर्घटना हुई थी, उसकी जांच के बाद यह पता चला था कि वह दुर्घटना पाइलट की एरर के कारण हुई थी, डिजाइनिंग डिफेक्ट के कारण नहीं हुई थी। हम दुष्टि से माननीय सदस्य का यह मानना कि पाइलट की एरर के कारण कोई दुर्घटना नहीं हुई, सही नहीं है। जहां तक हैदराबाद की दुर्घटना का सवाल है, चूंकि उसके बारे में मामला अभी विचाराधीन है, इसलिए उसके सम्बन्ध में कुछ कहना अभी उपयुक्त नहीं होगा।

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा : विषय की गंभीरता को देखते हुए क्या माननीय मंत्री जी सदन को यह आश्वासन देंगे कि बोइंग 737 के एक्सपर्ट्स को बुला कर इसकी जांच कराई जाएगी ताकि भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति न हो?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : जब भी ऐसी भाषा की होती है या इस प्रकार की दुर्घटनाएं होती हैं तो तत्काल मेन्यूफैक्चरर्स के एक्सपर्ट्स आते हैं और डिफेक्ट्स देखते हैं और उनका निराकरण करते हैं, जहां किसी चीज को करने का वे सुझाव देते हैं उसके अनुसार कार्यवाही भी की जाती है।

SHRI K. GOPAL: Before the Hyderabad air crash, the Commercial Pilots' Association did warn you about the manufacturing defects. I would like to know from the hon. Minister whether it is a fact that the utilisation of the aircraft Boeing 737 is more than the norms set by the manufacturers.

SHRI PURSHOTTAM KAUSHIK: I do not agree that it is being utilised more than permissible. But in India we are definitely making maximum utilisation of this aircraft because there is a consistent and persistent demand from the hon. Members as well as from the public to connect many more places.

MR. SPEAKER: But not at the cost of safety.

SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK: I can assure the House that this is not being done at the cost of safety. We take all precautions to see that the operation of the aircraft is safe and only after taking that into consideration we are trying to meet the maximum requirements of the members of the public. I can assure the House and the people that all precautions, so far as the safety aspect is concerned, are being taken.

## WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

### India's Foreign Trade Deficit

\*61. SHRI SAMAR MUKHERJEE: SHRI RAJ NARAIN:

Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

(a) whether India's foreign trade deficit is likely to be around Rs. 1,100 crore at the end of the current financial year because of substantially large imports and some decline in exports; and

(b) if so, the steps proposed to improve the position?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI ARIF BEG): (a) Based on the latest provisional figures the deficit of India's foreign trade during the first nine months (April—December) of 1978-79 was Rs. 785 crores with exports including re-exports and imports amounting to Rs. 3909.08 and Rs. 4693.97 crores respectively.